



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 254]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 22, 1977/आषाढ़ 1, 1899

No. 254]

NBW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 22, 1977/ASADHA 1, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 22nd June 1977

S.O. 407(E)—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) No S.O 445(E)/18AA/IDRA/72, dated the 23rd June, 1972, the management of the whole of the Industrial undertaking known as the Andhra Scientific Company Limited, Machilipatnam, had been taken over by the authorised person mentioned in the said Order for a period of five years upto and inclusive of the 22nd June, 1977

And whereas the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the said Order should continue to have effect after the expiry of the period of five years aforesaid for a further period of one year

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA, read with the proviso to sub-section (2) of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of one year upto and inclusive of the 22nd June, 1978

[No F 2/19/72-CUC]

A K GHOSH, Addl Secy

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 22 जून, 1977

का० आ० 407 (अ).—भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 445(ई)/18 कक/आई०डी० आर० ए/72, तारीख 23 जून, 1972 द्वारा आंध्र साइटिफिक कम्पनी लिमिटेड, मछलीपटनम नामक संपूर्ण औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध उक्त आदेश में वर्णित प्राधिकृत व्यक्ति ने 22 जून, 1977 तक, जिसमें 22-6-77 भी शामिल है, की पांच वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण कर लिया है।

और केन्द्रीय सरकार का विचार है कि लोकहित में यह समीचीन होगा कि उक्त आदेश को उपरोक्त पांच वर्ष की अवधि की समाप्ति के पश्चात् भी एक वर्ष की और अवधि के लिए प्रभावी बनाए रखा जाये।

अतः अब, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 18 क की उपधारा (2) के साथ पठित धारा 18 क की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त आदेश 22 जून, 1978 तक, जिसमें 22-6-78 भी शामिल है, अर्थात् एक वर्ष की अवधि के लिए और प्रभावी रहेगा।

[स० फा० 2/1972-सी० यू सी०]

ए० के० घोष, अपर सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मंत्रालय, मिनटो रोड, नई दिल्ली द्वारा

मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977